|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Vindplaats van geloof, hoop en liefde! | | | | |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Afbeelding | | | | | |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Nieuwsbrief Venray 03 | | | | | |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | [**Naar onze agenda**](https://pgmaasenpeel.email-provider.eu/link/biu3j7ufvn/gcsvhvxjj4/fkmpcnnf1o/q3gvt7to3q/85tenbcoiy) | | | | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | [**Het laatste nieuws**](https://pgmaasenpeel.email-provider.eu/link/biu3j7ufvn/gcsvhvxjj4/f19sby5kfw/q3gvt7to3q/85tenbcoiy) | | | | | | | | | | | |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | Tweewekelijkse nieuwsbrief nieuwe stijl | | Vanaf vandaag komt de nieuwsbrief in deze uitvoering in uw mailprogramma. Het zal even wennen zijn want de vorige nieuwsbrieven kwamen al een tijdje in dezelfde stijl. Graag hoor ik wat u van de "nieuwe" nieuwsbrief vindt!! Mocht u nog een leuke tip, verbeterpunt of opmerking hebben dan kunt u deze natuurlijk altijd mailen naar Linda Hooftman via [nieuwsbriefvenray@pgmaasenpeel.nl](mailto:nieuwsbriefvenray@pgmaasenpeel.nl) | | | | | |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Van het college van diakenen | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | De 1e officiële diaconievergadering hebben we gehad. We hebben elkaar een beetje leren kennen en de verwachting uitgesproken goed met elkaar te kunnen samenwerken. Ik heb begrepen dat er nu 4 x per jaar een Gemeenteblad uitkomt voor de Protestantse Gemeente Maas en Peel. Daar zullen dan in het vervolg ook alle collectes in vermeld staan. In het begin zal ik er nog wel op attenderen in deze lokale nieuwsbrief, maar op den duur is dit niet meer nodig. De 3 kernen zullen zoveel mogelijk samen doen. Toch hebben we ook lokale activiteiten, die kunt u altijd teruglezen in de nieuwsbrief die op de website komt te staan. Daar kunt u ook lezen wat er in die andere kernen gebeurd betreffende lokale activiteiten. En als het u interesseert kunt u daaraan deelnemen. Zolang nog niet helemaal bekend is wat het nieuwe rekeningnummer en tenaamstelling is kunt u nog steeds het oude nummer gebruiken. Zodra het wel bekend is laat ik het u weten.   **Collectes :**  **Zondag 11 februari 2024: KIA: Noodhulp Griekenland**  Opvang voor gestrande vluchtelingen in Griekenland Nog altijd zijn er miljoenen mensen over de hele wereld op de vlucht. Een groot deel van hen komt uit landen waar het leven door oorlog of religieuze spanningen onmogelijk is. Op zoek naar veiligheid stranden mensen uit bijvoorbeeld Syrië, Afghanistan en Iran in Griekenland. Hier wacht hen vanwege lange procedures een onzekere tijd. Kerk in Actie ondersteunt organisaties die mensen op de vlucht opvangen en helpen met kleding, voedsel, zorg, onderwijs en waar mogelijk een betere plek. Via het programma Noodhulp helpt Kerk in Actie gestrande vluchtelingen in Griekenland. Steun dit werk via de collecte .  **Zondag 18 februari 2024: KIA: Binnenlands Diaconaat** Omzien naar gevangenen In Nederland zijn ruim 33.000 mensen gedetineerd en zitten een korte of langere gevangenisstraf uit. Jezus vraagt ons niet te oordelen, maar barmhartig naar hen om te zien. Daarom reiken we (ex-)gevangenen, tbs-patiënten en hun familie een helpende hand om te werken aan herstel. Kerk in Actie ondersteunt diverse initiatieven in Nederland die omzien naar gevangenen en hun partners en kinderen, hen bezoeken tijdens de detentie, maar een nieuwe kans bieden in de maatschappij. Zoals bijvoorbeeld Exodus, partner van Kerk in Actie, die speciale herfstkampen organiseert waar kinderen kostbare tijd met hun gedetineerde ouder kunnen doorbrengen en samen weer even iets van het echte gezinsleven kunnen ervaren. Steun dit werk via deze collecte. U kunt uw gift ook overmaken op NL17TRIO0379211823 t.n.v. Diaconie Prot. Gemeente Venray e.o.. Wilt u niet vergeten het collectedoel hierbij te vermelden ? Alvast hartelijk dank.  **40 dagen kalenders.**  Vanaf zondag 11 februari zullen er weer 40 dagen kalenders uitgedeeld worden. Voor elk gezin 1 stuk. Kent u iemand die een kalender graag wil hebben maar niet in de kerk kan komen neem er dan gerust 1 extra mee.  **Paasgroetenactie voor gevangenen.**  Ook dit jaar zullen we een schrijfactie houden. Vorig jaar hebben we dat op de soos gedaan maar nu moeten de kaarten voor 20 februari opgestuurd worden dus hebben we besloten dit op zondag 11 en zondag 18 februari na de kerkdienst te doen in de koffieruimte. Schrijft u mee?  **Collecteoverzicht januari 2024**  07-01: Eigen diaconale collecte (1) € 57,70 14-01: KIA binnenlands diaconaat € 64,45 21-01: Project Elsendorp, Elyada farm Zambia.                       € 43,60 28-01: Eigen diaconale collecte (2) € 59,22  De collecte van 28 januari wordt ook bestemd voor Elyada farm Zambia. | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Soos | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **SOOSMIDDAG woensdagmiddag 21 februari 2024**  De eerstkomende soosmiddag is woensdagmiddag 21 februari. We gaan dan creatief bezig zijn en als u dit niet wilt maar wel graag wil komen dan kunt u gezellig mee kletsen. Dan komen er in de komende maanden wat activiteiten aan waarvoor u zich wel zult moeten opgeven. Dat is op 20 maart de paaslunch en paasstukje maken. Op **donderdagmiddag** **18 april**, dit omdat de pastor alleen op de donderdag daar is, de excursie naar de Vrouwengevangenis in Evertsoord. Beide middagen zullen om 12 uur starten i.v.m. de lunch. Op 15 mei waarop gepland staat Museum de Locht zal ik u nader over berichten maar geeft u zich maar gewoon op, dan weet ik ongeveer met hoeveel mensen we zijn. Opgaven graag zo snel mogelijk voor de excursie van 18 april voor 1 maart.  **Jaarplanning soos/2024**   |  |  |  | | --- | --- | --- | | **Datum** | **Activiteit** | **Opgeven ja/nee** | | 21 februari | Creamiddag | ja | | 20 maart | Paaslunch en bloemstukje | ja | | 18 april | Excursie vrouwengevangenis | ja | | 15 mei | Museum de Locht | ja | | 19 juni | Verjaardagsfeestje en recepten | ja | | 17 juli | Museum Psychiatrie Venray | ja |   En u weet iedereen is welkom en we kijken naar u uit. Bij vervoersproblemen bellen met Bertie 0652456409 of Annemarie 0644234114 | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | Vorming en Toerusting | | De avond van Vorming en Toerusting van 21 februari, kan helaas **niet doorgaan** wegens ernstige ziekte van de spreker Annemarie van Niekerk. Wij wensen haar heel veel sterkte toe. | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Uitnodiging retraiteweekend In Christus Heel (21-24 maart) | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | Afbeelding met tekst, Lettertype, logo, Graphics  Automatisch gegenereerde beschrijving |  |   Mens worden, zoals je door God bedoeld bent Verlangen, verbinden en vernieuwen. Deze drie woorden staan centraal in het werk van de stichting ‘in Christus heel’. In de naam zit een mooi toekomstperspectief verborgen: God ziet ons zoals wij werkelijk zijn. Met psalm 103 geloven we dat onze God liefdevol en genadig is. Hij wil ons genezen, bevrijden, vergeven en vernieuwen. We vertrouwen erop dat we door Gods liefde tevoorschijn mogen komen, zoals we ten diepste bedoeld zijn. In deze vorm van pastoraat neemt het gebed een grote plaats in. We vertrouwen op de leiding van de Heilige Geest, die inzicht, kennis en genezing kan en wil schenken.  Meelopen op jouw levensweg  Gebedspastoraat is bestemd voor jou, als je deel uitmaakt van een gemeenschap van christenen en ernaar verlangt te groeien in de relatie met God, met jezelf en met de mensen om je heen. Voor een gebedspastoraat nemen we ruim de tijd. Het kan plaatsvinden tijdens een retraite of bij één van de teamleden thuis. Er is eerst alle ruimte om je verhaal te vertellen. Daarna zoeken we samen, biddend en vertrouwend op Gods Geest, naar het inzicht en het herstel dat God jou wil schenken. Om daarna gesterkt en gezegend en met Jezus als reisgenoot je weg te vervolgen. De leden van de werkgroep behoren tot verschillende kerken en weten zich met elkaar verbonden door het heelmakende werk van Jezus Christus.  Kijk voor meer informatie, ons volledige programma en reacties van eerdere deelnemers op [www.gebedspastoraat.nl](https://pgmaasenpeel.email-provider.eu/link/biu3j7ufvn/gcsvhvxjj4/bddbdx8dze/q3gvt7to3q/85tenbcoiy). Heb je vragen, of wil je je aanmelden voor het eerstvolgende weekend van 21 t/m 24 maart in Den Haag? Neem gerust contact met ons op via de website. Of met Suzanne Lijklema. | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | Schikkingen Veertigdagentijd | | Hieronder vindt u de uitleg over de schikking voor de 1e zondag van de Veertigdagentijd, zondag 18 februari. | | | | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | Zondag 11-02-2024, 6e zondag van Epifanie, Maaltijd van de Heer | | Liturgische Kleur: Groen Voorganger: Ds. Rien op den Brouw Ambtsdrager: Bertie van der Ben en Christa Quak Lector: Ineke Grootemaat Koster: Bertie van der Ben Beamerdienst: Anneke Palmen Organist: Alex Bron | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | Zondag 18-02-2024. 1e zondag van de Veertigdagentijd | | Liturgische kleur: Paars Voorganger: Ds. Annelies Claessens Ambtsdrager: Roel Baas     Lector: Kees Bergman Koster: Maarten Post Beamerdienst: Jelrik Cruijs Organist: - | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Afbeelding met bloem, Bloemkwekerij, Bloemschikken, Snijbloemen  Automatisch gegenereerde beschrijving | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | Jarigen 75+ | | **Jarig in de komende weken:**  **13-02** Dhr. F. de Vries    **13-02** Dhr. J.J. de Schipper  **14-02** Mevr. M. Mol  **17-02** Mevr. A.C. Marinus - Kruijt  **19-02** Dhr. J.W. Meester  **19-02** Mevr. J. Cornfield  **19-02** Mevr. C. Straub - Matser   **21-02** Mevr. H. Vanvelzen - Klein Kranenbarg  Wij feliciteren u van harte en wensen dat u een gezellige dag zult hebben of hebt gehad. Wie stuurt een kaartje als verrassing en maakt hun verjaardag onvergetelijk? | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | Huispaaskaarsen | | Het is weer mogelijk uw huispaaskaars voor dit jaar te bestellen. Tot en met zondag 18 februari hangt er in de koffieruimte in het Zonnelied een formulier waarop u uw bestelling kunt invullen. U heeft deze kaars dan voor Pasen in huis.  Mocht u niet in de gelegenheid zijn de kerkdienst te bezoeken en wilt u toch een huispaaskaars bestellen, dan kunt u mij ook een mailtje sturen venray@pgmaasenpeel.nl    Anneke Palmen | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Afbeelding met tekst, Lettertype, grafische vormgeving, poster  Automatisch gegenereerde beschrijving | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Kaarten zijn te bestellen via www.schouwburgvenray.nl | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | Tentoonstelling visioenen | | Op donderdag 22 februari gaan we met een groepje mensen uit Boxmeer het Krona museum in Uden bezoeken. We krijgen daar van een gids uitleg over de lopende tentoonstelling. [Meer info](https://pgmaasenpeel.email-provider.eu/link/biu3j7ufvn/gcsvhvxjj4/q5g8t2wcam/q3gvt7to3q/85tenbcoiy)   Er zijn nog enkele plaatsen over. Wil je mee? Meld je dan bij Marise Boon (0485-212581 of dsboon@pgmaasenpeel.nl). We vertrekken om 10.00 uur stipt en zijn rond 12.30 weer terug bij de kerk in Boxmeer. Het is natuurlijk ook mogelijk om op eigen gelegenheid naar Uden te gaan. | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | Save the date | | Op dinsdag 7 mei is er ’s avonds om 20.15 in het Speelhuis in Helmond de voorstelling ‘In Godsnaam’ van Bastiaan Ragas. [Meer info](https://pgmaasenpeel.email-provider.eu/link/biu3j7ufvn/gcsvhvxjj4/mazilaa1i5/q3gvt7to3q/85tenbcoiy)  Via onze gemeente zijn daarvoor kaarten te verkrijgen voor 10 euro (normale prijs 25 euro). Deze kaarten zullen binnenkort te koop komen, dus reserveer de avond vast in je agenda! | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | Roon Staal doet Venray aan tijdens Winter Tour | | Zanger en pianist Roon Staal komt in zijn nieuwe Winter Tour naar Venray. Het concert vindt plaats op woensdag 21 februari om 20:00 uur in de Protestantse Kerk Het Zonnelied, Kiosk 6, Venray.  Alle informatie over dit concert kunt u vinden op de website [www.roonstaal.com](https://pgmaasenpeel.email-provider.eu/link/biu3j7ufvn/gcsvhvxjj4/czpghyecub/q3gvt7to3q/85tenbcoiy). Reserveringen kunnen daar worden gemaakt of via 06-15403125. Tickets kosten € 22,50. Kinderen en jongeren t/m 17 jaar hebben toegang voor € 12,50. | | | | | | | | | | | |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Afbeelding met tekst, bloem, ontwerp  Automatisch gegenereerde beschrijving | | | | | |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | Contact | | Heeft u berichten die u, via de Nieuwsbrief, met anderen van onze gemeente wilt delen, dan kunt u dit tot **donderdagavond 22 februari**doorgeven aan: Linda Hooftman [**nieuwsbriefvenray@pgmaasenpeel.nl**](https://pgmaasenpeel.email-provider.eu/link/biu3j7ufvn/gcsvhvxjj4/rdrbkcxhqe/q3gvt7to3q/85tenbcoiy) | | | | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Volg ons | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Adres website:** [**www.pgmaasenpeel.nl**](https://pgmaasenpeel.email-provider.eu/link/biu3j7ufvn/gcsvhvxjj4/xoxgsxsswa/q3gvt7to3q/85tenbcoiy) **of** | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | [**Klik hier**](https://pgmaasenpeel.email-provider.eu/link/biu3j7ufvn/gcsvhvxjj4/t71qvwrujq/q3gvt7to3q/85tenbcoiy) | | | | | | | | | | | |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | |